Details of the Insurance Companies Under PMFBY

***1680. Shri Shishpal Singh Keharwala, MLA.:** Will the Agriculture and Farmers Welfare Minister be pleased to state -

(a) the names of the companies empanelled by the Government under PMFBY in State;

(b) the details of the premium collected by abovesaid companies from the farmers in the year 2020-21 and 2021-22 togetherwith the total compensation given to the farmers for their damaged crops in State during in the said years; and

(c) whether the crops damaged due to pink caterpillar and unseasonal rain are also covered under PMFBY in State; if so, the details thereof?

JAI PARKASH DALAL, AGRICULTURE AND FARMERS WELFARE MINISTER, HARYANA

Sir,

(a) In Haryana, three companies namely Agriculture Insurance Company, Bajaj Allianz GIC and Reliance GIC are engaged for implementation of Pradhan Mantri Fasal Bima Yojana from Kharif 2020 to Rabi 2022-23.

(b) The premium collected by above said companies from the farmer in the year 2020-21 and 2021-22 along with compensation are as under:

Amount in Crore.

Name of the Insurance Company	2020-21 (both Kharif 2020 and Rabi 2020-21)		2021-22 (Only Kharif 2021)		
	Premium collected from farmer	Compensation given to farmers	Premium collected from farmer	Compensation given to farmers	
				Due	Disburse as on 28.02.22
Agriculture Insurance Company	150.45	712.46	118.27	450.00	2.51
Reliance GIC	120.97	298.58	81.29	363.56	363.56
Bajaj Allianz GIC	69.57	140.39	42.93	203.00	168.87
Total	**340.99**	**1151.43**	**242.49**	**1016.56**	**534.94**

(c) Yes, Pest attack and unseasonal rainfall are covered under Pradhan Mantri Fasal Bima Yojana in case of wide spread calamity. Insurance is provided to cover yield loss due to any non-preventive risk like wide spread pest attack, unseasonal rainfall, flood, inundation, drought etc. All insured farmers of the village are entitled for claim in the same ratio of yield loss. Claim amount of Rs. 1357.12 crore given to the farmers during Kharif 2020 & Kharif 2021 on account of loss due to pest and unseasonal rainfall.

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अन्तर्गत बीमा कंपनियों का ब्यौरा

***1680. श्री शीशपाल सिंह केहरवाला, एम०एल०ए०** : क्या कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री कृपया बताएंगे कि:–

(क) राज्य में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अन्तर्गत सरकार द्वारा सूचीबद्ध कंपनियों के नाम क्या हैं;

(ख) वर्ष 2020–21 और 2021–22 में किसानों से उपरोक्त कंपनियों द्वारा एकत्रित प्रीमियम का ब्यौरा क्या है तथा राज्य में वर्ष 2020–21 तथा 2021–22 के दौरान किसानों को उनकी क्षतिग्रस्त फसलों के लिए कुल कितना मुआवजा दिया गया; तथा

(ग) क्या राज्य में पिंक केटरपिलर तथा बेमौसमी बारिश के कारण क्षतिग्रस्त फसलों को भी प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अन्तर्गत कवर किया गया है; यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है?

जय प्रकाश दलाल, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, हरियाणा

महोदय,

(क) हरियाणा में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के क्रियान्वयन के लिए खरीफ 2020 से रबी 2022–23 तक तीन कंपनियां अर्थात् एग्रीकल्चर इं योरेंस कम्पनी, बजाज आलियांज़ जी०आई०सी० और रिलायंस जी०आई०सी० लगाई गई हैं।

(ख) उक्त कंपनियों द्वारा वर्ष 2020–21 और 2021–22 में किसानों से मुआवजे के साथ एकत्रित किया गया प्रीमियम निम्नानुसार है :–

राशि करोड़ में

बीमा कम्पनी का नाम	2020–21 (खरीफ 2020 व रबी 2020–21 दोनों)		2021–22 (केवल खरीफ 2021)		
				किसानों को दिया गया मुआवजा	
	किसानों से एकत्रित किया गया प्रीमियम	किसानों को दिया गया मुआवजा	किसानों से एकत्रित किया गया प्रीमियम	देय	28–02–2022 तक वितरित
एग्रीकल्चर इं योरेंस कम्पनी	150.45	712.46	118.27	450.00	2.51
रिलायन्स जी०आई०सी०	120.97	298.58	81.29	363.56	363.56
बजाज आलियांज़ जी०आई०सी०	69.57	140.39	42.93	203.00	168.87
कुल	**340.99**	**1151.43**	**242.49**	**1016.56**	**534.94**

(ग) हाँ, व्यापक आपदा की स्थिति में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत कीट हमले और बेमौसमी बारिश को कवर किया जाता है। व्यापक प्रसार कीट हमले, बेमौसम बारिश, बाढ़, जलभराव, सूखा आदि जैसे किसी भी गैर–निवारक जोखिम के कारण उपज में हुई हानि को कवर करने के लिए बीमा प्रदान किया जाता है। गाँव के सभी बीमित किसानों को उपज में हुई हानि के समान अनुपात में दावे के हकदार हैं। खरीफ 2020 और खरीफ 2021 के दौरान कीट और बेमौसमी बारिश से हुए नुकसान के कारण किसानों को 1357.12 करोड़ रुपये की राि ा दावों के रूप में दी गई।